Portray the performance of the Institution in one area distinctive to its priority and thrust

Educational Practices

नई शिक्षा नीति पर नेहरू महाविद्यालय में हुआ अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा 17 दिसंबर को नई शिक्षा नीति विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बी.आई.टी. दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ अभिषेक चक्रवर्ती उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता एवं सभी प्राध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के शैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर किया गया । मुख्य वक्ता डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती ने बताया कि वास्तव में शिक्षा नीति में परिवर्तन की आवश्यकता थी । नई शिक्षा नीति का उद्देश्य सभी छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है जिनका लक्ष्य 2030 तक पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 5.3 .3.4 का पैटर्न फॉलो किया जाएगा जिसने की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा और बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे । बच्चों की क्षमता की पहचान एवं विकास करना ,साक्षरता एवं सतत संख्यात्मक ज्ञान को बढ़ाना, शिक्षा को लचीला व गुणवत्तापूर्ण बनाना, बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना, उत्कृष्ट स्तर पर शोध करना , शिक्षा नीति को पारदर्शी बनाना, विभिन्न प्रकार की भाषाएं सीखना, बच्चों की सोच को रचनात्मक एवं तार्किक करना है। इस व्याख्यान से विद्यार्थियों ने नई शिक्षा नीति के बारे में जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती ज्योति साहू द्वारा किया गया । उन्होंने बताया नई शिक्षा नीति. को आरंभ करने का मुख्य उद्देश्य भारत को एक ज्ञान महाशक्ति बनाना है जिससे कि समाज में बदलाव आ सके। र्यक्रम में शिक्षकों सहित 56 विद्यार्थी लाभावित हुए। आभार प्रदर्शन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती ने किया।

शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए सरकार का सार्थक प्रयास- अभिषेक

Educational Practices

वाणिज्य विभाग का केस स्टडी पर अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। नेहरू महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई व्ही रेवती के निर्देशन में वाणिज्य विभाग में केस स्टडी विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में बीआईटी दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ अभिषेक चक्रवर्ती उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चरणों में फूल अर्पित एवं प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य वक्ता का स्वागत सुश्री प्रतिभा सिंह ने पुष्प गुच्छ एवं फूलदान देकर किया। डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती ने अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान युग में वाणिज्य के क्षेत्र में सिर्फकिताबी शिक्षा ही काफी नहीं बल्कि व्यवसाय से जुड़ी केस स्टडी का भी अध्ययन करना आवश्यक है। किसी भी केस स्टडी से हम उस कंपनी के व्यवसाय के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं साथ ही उस कंपनी में जो समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं उसकी जानकारी प्राप्त करना तथा उस समस्या का समाधान हम कितने विकल्पों से कर सकते हैं उन विकल्पों में बेहतर विकल्प कौन सा है जिन्हें हम अपना कर उस समस्या का समाधान कर सकते हैं । इसके पश्चात उन्होंने विद्यार्थियों को एक व्यवहारिक प्रश्न केस स्टडी के आधार पर हल करने के लिए दिया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने केस स्टडी से संबंधित प्रश्न को हल करने के लिए काफी उत्सुक दिखाई। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नई शिक्षा पद्धति की एक विधि से अवगत कराना है। कार्यक्रम का संचालन गायत्री नेताम व ज्योति वर्मा ने किया।

Educational Practices

शिक्षा में रोजगार की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 10 नवम्बर को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में वाणिज्य विभाग द्वारा वाणिज्य के स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा में रोजगार की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय गंडई के सहायक प्राध्यापक अजय श्रीवास्तव उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेट कर किया गया. इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती ने कहा कि वाणिज्य के प्रत्येक विषय अपने आप में रोजगार प्रदान करने वाले है. बीकॉम, एमकॉम, करने के बाद स्वरोजगार से अन्य लोगों को भी रोजगार दिया जा सकता है. मुख्य वक्ता अजय श्रीवास्तव ने बताया कि इंस्टिट्यूट आफ चार्टेड एकाउंटेड आफ इंडिया एवं इंस्टिट्यूट आफ कास्ट मैनेजमेंट एकाउंटेंसी आफ इंडिया से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कक्षा बारहवी, बीकॉम एवं एमकॉम के बाद इन विषयों को अध्ययन करके विद्यार्थी उच्च स्तर के पदो पर पदस्थ हो सकते है. इस अवसर पर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं में गोपाल, नीलम महोबिया, सोनाली रावटे, चित्रांशी पिल्ले, रश्मि राउत, संदीप यादव, तिलोक चंद्रशेखर यादव, विश्वनाथ नेताम, वर्षा साहू, रानू टेम्भुरकर, घनश्याम वर्मा सहित महाविद्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

Educational Practices

स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा में रोजगार की संभावनाएं

डोंगरगढ़ कालेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

डोंगरगढ़(दावा)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 10 नवम्बर को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में वाणिज्य विभाग द्वारा वाणिज्य के स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा में रोजगार की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय गंडई के सहायक प्राध्यापक अजय श्रीवास्तव उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेट कर किया गया.

इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती ने कहा कि वाणिज्य के प्रत्येक विषय अपने आप में रोजगार प्रदान करने वाले है। बी.कॉम., एम.कॉम. करने के बाद स्वरोजगार से अन्य लोगो को भी रोजगार दिया जा सकता है. मुख्य वक्ता अजय श्रीवास्तव ने बताया कि इंस्टिट्यूट आफ चार्टेड एकाउंटेड आफ इंडिया एवं इंस्टिट्यूट आफ कास्ट मैनेजमेंट एकाउंटेंसी आफ इंडिया से संबंधित विषयो पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होने बताया कि कक्षा बारहवी, बी.कॉम. एवं एम.कॉम के बाद इन विषयों को अध्ययन करके विद्यार्थी उच्च स्तर के पदो पर पदस्थ हो सकते है। आज के आधुनिक युग में प्रतिस्पर्धाएं बढ़ रही है। इसलिए बारहवी के बाद ही लक्ष्य निर्धारित कर लें एवं उसकी के अनुसार अपनी तैयारी प्रारंभ करें. इस अवसर पर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं में गोपाल, नीलम महोबिया, सोनाली रावटे, चित्रांशी पिल्ले, रश्मि राउत, संदीप यादव, तिलोक चंद्रशेखर यादव, विश्वनाथ नेताम, वर्षा साहू, रानू टेम्भुरकर, घनश्याम वर्मा सहित महाविद्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

Educational Practices

दैनिक दावा

जिले की खबरें

नेहरू कालेज में भारतीय इतिहास जानने के साधन विषय पर अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी के मागदर्शन में इतिहास विभाग के अंतर्गत भारतीय इतिहास जानने के स्त्रोत विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक टी.ठाकुर उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता टी. ठाकुर एवं प्राचार्य ने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया। व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. टी. ठाकुर ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को इतिहास को जानने के स्त्रोत पर जानकारी देते हुए कहा कि यूँ तो भारत के प्राचीन साहित्य तथा दर्शन के संबंध में जानकारी के अनेक साधन उपलब्ध हैं, परन्तु भारत के प्राचीन इतिहास की जानकारी के स्त्रोत संतोषप्रद नहीं है। उनकी न्यूनता के कारण अति प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं शासन का क्रमवद्ध इतिहास नहीं मिलता है। फिर भी ऐसे साधन उपलब्ध हैं जिनके अध्ययन एवं सर्वेक्षण से हमें भारत की प्राचीनता की कहानी की जानकारी होती है। इन साधनों के अध्ययन के बिना अतीत और वर्तमान भारत के निकट के संबंध की जानकारी करना भी असंभव है। प्राचीन भारत के इतिहास की जानकारी के साधनों को दो भागों में बाँटा जा सकता है- साहित्यिक साधन और पुरातात्विक साधन, जो देशी और विदेशी दोनों हैं। साहित्यिक साधन दो प्रकार के हैं- धार्मिक साहित्य और लौकिक साहित्य। धार्मिक साहित्य भी दो प्रकार के हैं- ब्राह्मण ग्रन्थ और अब्राह्मण ग्रन्थ। ब्राह्मण ग्रन्थ दो प्रकार के हैं - श्रुति जिसमें वेद, ब्राह्मण, उपनिषद इत्यादि आते हैं और स्मृति जिसके अन्तर्गत रामायण, महाभारत, पुराण, स्मृतियाँ आदि आती हैं। लौकिक साहित्य भी चार प्रकार के हैं- ऐतिहासिक साहित्य, विदेशी विवरण, जीवनी और कल्पना प्रधान तथा गल्प साहित्य। पुरातात्विक सामग्रियों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है- अभिलेख, मुद्राएं तथा भग्नावशेष स्मारक। ब्राह्मण ग्रन्थ प्राचीन भारतीय इतिहास का ज्ञान प्रदान करने में अत्यधिक सहयोग देते हैं। भारत का प्राचीनतम साहित्य प्रधानतः धर्म-संबंधी ही है। ऐसे अनेक ब्राह्मण ग्रन्थ हैं जिनके द्वारा प्राचीन भारत की सभ्यता तथा संस्कृति की कहानी जानी जाती है जिसमें वेद, उपनिषद, वेदांग, रामायण , महाभारत, पुराण, स्मृतियाँ, अब्राह्मण ग्रन्थ, बौद्ध ग्रन्थ, जैन ग्रन्थ, लौकिक साहित्य, ऐतिहासिक ग्रन्थ, विदेशी विवरण आदि इतिहास जानने के स्त्रोत है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने भी छात्र-छात्राओं को टी. ठाकुर द्वारा दी गई जानकारी पर अमल करते हुए इतिहास विषय की महत्ता बताया एवं इस विषय में भविष्य बनाने के लिए होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी। अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता टी. ठाकुर को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आशा चौधरी ने किया।

Educational Practices

नेहरू कॉलेज में अतिथि व्याख्यान

नवभारत प्रतिनिधि । डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मागदर्शन में क्रीड़ा विभाग के अंतर्गत फिजिकल फिटनेस एंड हेल्थ विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय पाटन के क्रीडा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार नामदेव उपस्थित थे.

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता दिनेश नामदेव एवं प्राचार्य ने सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया. व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश नामदेव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को फिजिकट फिटनेश एवं हेल्थ में अंतर बताया कि शारीरिक फिटनेस सर्वोपरि है. क्योंकि यह अन्य सभी मानवीय शक्तियों, गुणों अथवा भावों का स्त्रोत है. हम सभी को फिटनेस का महत्व समझते हुए एक स्वस्थ एवं समृद्ध, वैश्विक समाज के निर्माण के लिए अपनी फिटनेस एवं हेल्थ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के. एल. टाण्डेकर ने भी छात्र-छात्राओं को फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ पर जानकारी देते बताया कि आज के यांत्रिक युग में प्रत्येक मनुष्य अपनी शारीरिक पुष्टि बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है. यह मनुष्य कि वह शक्ति तथा कार्य करने की योग्यता है, जिसको वह बिना किसी बाधा के आसानी से थोड़ी सी शक्ति का प्रयोग करके पूरा कर लेता है. कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश नामदेव को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया.

Educational Practices

बाइकसे फराटे भरते है और रोड एक्सीडेंट के शिकार हो जाते हैं। ऐसे

राजनांदगांव की ओर जा रहा था। शनिवार रात्रि 8 बजे बाइक सवार

बेहद तेज गति से मुख्य मार्ग से होते हुए राजनांदगांव की ओर जा रहा था।

कार्यक्रम

एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया

व्यवहारिक व प्रतियोगी परीक्षा में बताया गणित का महत्व

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

डोंगरगढ़. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा-निर्देशन एवं गणित विभाग के अतिथि शिक्षक लीलाराम देवांगन के मागदर्शन में गणित विभाग के अंतर्गत गणित का व्यवहारिक जीवन एवं प्रतियोगी परीक्षा में महत्व विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. केके देवांगन उपस्थित थे।

उन्होंने गणित का व्यवहारिक जीवन एवं प्रतियोगी परीक्षा में महत्व विषय पर जानकारी देते कहा कि अधिकांश विद्यार्थी मैट्रिक पास करके जीवन के व्यावहारिक क्षेत्र में प्रवेश करते हैं, उनको जीविकोपार्जन के लिए दुकानों, कुटीर उद्योग, किर्यालयों, फैक्ट्रियों, बैंकों तथा विभिन्न व्यवसायों में काम करना पड़ता हैं। आज का युग तकनीकी युग है तथा हस्त कार्य के बजाए मशीनों, कम्प्यूटरों तथा तकनीकी के इस्तेमाल का प्रयोग दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है।

हर व्यवसाय में संख्याओं, लाभ-हानि, गुणा-भाग, प्रतिशत, ब्याज तथा संख्याओं की गणना करने की आवश्यकता होती है। यदि विद्यार्थी गणित में पिछड़ा हुआ रह जाता है, तो ऐसे विद्यार्थी को जीवन में नीचा देखना पड़ता है। इस प्रकार के विद्यार्थी को किसी व्यवसाय काम देने के लिए कोई भी तैयार नहीं होता है। किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा में गणित, मानसिक क्षमता की परीक्षा ली जाती है। बहुत से माता-पिता, अभिभावक यह सोचते हैं कि विद्यार्थी को इंजीनियर, डाक्टर, आईएएस, आरएएस अथवा इसी प्रकार के किसी व्यवसाय में तो भेजना नहीं है तो फिर गणित के ज्ञान की क्या आवश्यकता है।

गणित के ज्ञान की आवश्यकता होती है

उच्च प्राथमिक कक्षाओं से पहले विद्यार्थियों का मानसिक विकास ठीक तरह से नहीं हो पाता है। उनको इस बात का ज्ञान नहीं हो पाता है कि कौन सा विषय लें जो उनके लिए लाभदायक हो सकता है। प्राय: विद्यार्थी अपने सहयोगियों, सहपाठियों और मित्रों की सलाह से विषय चुन लेते हैं और आगे जाकर उनकों उसमें कठिनाइयां महसूस करते हैं, तो उसे छोड़ देते हैं। गणित विषय को अनिवार्य करने पर ऐसी कठिनाई महसूस नहीं होती है। यह भी हर व्यवसाय में गणित के ज्ञान की आवश्यकता होती है। मजदूर से लेकर जो मुश्किल से अपनी आजीविका चलाता है, वित्तमंत्री तक जिसे करोड़ों रुपयों के बजट का अवलोकन करना पड़ता है और हिसाब रखना पड़ता है।

Educational Practices

अंग्रेजी सीखने के लिए पढ़ना-लिखना बोलना और सुनना जरूरी : डा. कुर्रे

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंग्रेजी सीखने के विषय में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता लाल चक्रधर शाह महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.नितेश कुर्रे थे। व्याख्यान प्राचार्य डा.केएल टांडेकर व योगेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

व्याख्यान को संबोधित करते हुए मुख्यवक्ता डा.नितेश कुर्रे ने कहा कि अंग्रेजी सीखने के लिए पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना जरुरी है। छात्र-छात्राओं को पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से अंग्रेजी सीखने के तरीके के साथ.-साथ अंग्रेजी विषय में रूचि कैसे पैदा करें, अंग्रेजी बोलने के आसान तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आत्मविश्वास बनाए रखें, अपने आप को अंग्रेजी बोलने वाले वातावरण में रखें, प्रतिदिन अभ्यास करें, अध्ययन योजना बनाए, एक दिनचर्या स्थापित करें। सीखे गए नए शब्दों की एक नोटबुक रखें। वाक्यों में उनका उपयोग करें और

व्याख्यान में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। ● नईदुनिया

जब आप बोलते हैं तो उन्हें कम से कम तीन बार कहने का प्रयास करें। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने अंग्रेजी के छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी विषय की महत्ता बताते हुए इस विषय में भविष्यं की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता नितेश कुर्रे को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डा.मुन्नालाल नंदेश्वर व आभार प्रदर्शन योगेश निषाद ने किया।

Educational Practices

नेहरू महाविद्यालय में डिजिटल फ्राड एवं आकर्षक बचत पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर.कोचे के मागदर्शन में वर्तमान में घटित डिजिटल फ्राड के साथ ही आकर्षक बचत योजना के संबंध में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया.इस व्याख्यान में नगर के भारतीय स्टेट बैंक में पदस्थ सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसफ तथा केशियर एवं एन. मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी. विषय के विशेषज्ञ एन.मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि अपने बैंक खाता के सबंध में किसी भी तरह की ओटीपी की जानकारी अन्य व्यक्तियों के साथ साझा न करें। मोबाइल फोन से किसी भी तरह की जानकारी किसी भी व्यक्ति द्वारा मांगी जाने पर न दे. बैंक कभी भी अपने उपभोक्ताओं से इस तरह की जानकारी मोबाइल से नही मांगता. वर्तमान समय में बैंक द्वारा ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार के साथ ही डिजिटल जागरूकता की आवश्यकता बढ़ गई है. मोबाइल से प्राप्त अज्ञात लिंक को क्लिक करने से भी बचना चाहिए। विषय विशेषज्ञ ने आगे बताया कि अपने एटीएम से संबंधित जानकारी भी गोपनीय रखा जाना आवश्यक है. एन्ड्राइड मोबाइल में अनेक तरह के मैसज जैसे बीमा, सेविंग, इन्वेस्टमेंट, आदि सबंधी आते है, इन मैसेज को खोलने समय सावधानी बरती जानी चाहिए. इस व्याख्यान के द्वितीय सत्र में एस.बी.आई. के सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसेफ ने आकर्षण बचत योजना के सबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आज की बचत कल की जरूरत होती है। बैंक की लघु बचत योजनाओं से मिलने वाले लाभ के अलावा एसआईपी, म्यूचल फंड, के आकर्षण बचतो के संबंध में विस्तार से जानकारी दी . व्याख्यान के अंत में विद्यार्थियों द्वारा किये गये सवालो का समाधान उपस्थित विषय विशेषज्ञो वक्ताओं द्वारा किया गया। इस व्याख्यान में लगभग 55 विद्यार्थी लाभांवित हुए. कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ.आर.आर. कोचे ने विषय विशेषज्ञो को आभार प्रदर्शन किया.

Educational Practices

प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं हिन्दी की अतिथि शिक्षक किरण सिंह ठाकुर के मागदर्शन में हिन्दी विभाग द्वारा प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नतकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत उपस्थित थी. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. बी.नंदा जागृत ने छात्र-छात्राओं को अपने व्याख्यान में प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर विस्तृत जानकारी दी.

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को दी गई प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हिन्दी विषय की तैयारी हेतु दिये गये महत्वपूर्ण टिप्स पर अमल करने की बात कहते हुए हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावना पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता डॉ. बी.एन. जागृत को प्राचार्य द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कियाा. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती किरण ठाकुर ने किया.

Community Involvement
Awareness program by N.S.S.

मतदान करने की दिलाई शपथ

डोंगरगढ़। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर वे

निर्देशन एवं एनएसएस प्रभार बीआर सिवारे, डॉ आशा चौधरी के मागदर्शन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर अधिकारी-कर्मचारियों एवं छात्र- छात्राओं को लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि समस्त नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत हों तथा बिना लालच के मताधिकार का प्रयोग करें। अंत में प्राचार्य ने अधिकारियों-कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं से कोरोना से बचने के लिए मास्क, सेनेटाइजर का उपयोग करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में डॉ. ईव्ही रेवती, डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर, डॉ आरआर कोचे, नितेश तिरपुडे, संजय तिवारी, केजी सोनकर, बीआर कोसले, बीएस मंडावी, सोहद्रा उइके, नवनीत बोरकर, नितिन शांडिल्य, विवेक श्रीवास, शरद लाटा, संदीप गजभिये, शैलेन्द्र यादव, चित्रा खोब्रागढ़े, विक्की रामटेके, मोहनीश तुरकर आदि उपस्थित थे।

Community Involvement
Awareness program by N.S.S.

स्वयंसेवकों ने की सफाई

डोंगरगढ़। नेहरू. महा.के प्राचार्य केएल टांडेकर एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी बीआर शिवारे के निर्देश में रविवार को स्वयंसेवकों ने ठेठवारपारा वार्ड 23 स्थित तालाब के आसपास की सफाई की। इस कार्य में पार्षद शालिनी ताम्रकार, प्रकाश शर्मा, प्रवीण शुक्ला, महिलाएं एवं बच्चों ने सहयोग दिया। इस अवसर पर दलनायक विक्की रामटेके, उप दल नायक मोहनीष, भारती, रुपाली, तमेश्वर, वंदना, मनीष, असवंत, देवेंद्र, राजाराम, रोशन, रविकुमार, यशोदा, कामिनी, भूमिका, चांदनी, भुनेश्वरी, साक्षी, कल्याणी, सिमरन, इतेश्वरी, दामिनी, रोशनी, नेहा, यामिनी, दीपक, उमाकांत, रवि, उमा भारती उपस्थित थे।

प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का आह्वान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय के एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे व आशा चौधरी के निर्देशन में एनएसएस के स्वयं सेवको ने पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम की अध्यक्षता में इंडियन गैस एजेंसी से लेकर महाविद्यालय तक फैले प्लास्टिक पाउच, पन्नी एवं कचरे को साफ कर नागरिकों को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान से अवगत कराया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, मोहनीश तुरकर आदि उपस्थित थे।

Community Involvement

Awareness program by N.S.S.

यातायात के नियमों का पालन करने लोगों को किया जागरूक

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा-निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे एवं डॉ. आशा चौधरी के मागदर्शन में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा एवं यातायात विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया.

कार्यशाला में एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बी.आर. सिवारे ने बताया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हर साल जनवरी के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष 2021 में सरकार ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह की जगह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाने का निर्णय किया है. सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए शासन द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है. जिसमें चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है. जागरूकता में नशा और नींद में वाहन न चलाए जाने, तेज रफ्तार वाहनों को न चलाने की सीख दी जा रही है. साथ ही वाहन मोड़ने पर इंडीकेटर देकर व देखकर सड़क पार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. उपदलनायक मोहनीश तुरकर ने भी सड़क सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को जानकारी दी. कार्यशाला के बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवको ने सड़क जागरूकता रैली के निकाली. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर एवं समस्त प्राध्यापकों ने हरि झंडी दिखाकर रैली का रवाना किया.

Community Involvement
Awareness program by N.S.S.

सड़क सुरक्षा माह पर स्वयंसेवकों ने रैली निकाली

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के दिशा-निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बी.आर.सिवारे एवं डॉ. आशा चौधरी कें मागदर्शन में सडक सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा एवं यातायात विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बी. आर. सिवारे ने ने बताया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हर साल जनवरी के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष, 2021 में सरकार ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह की जगह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाने का निर्णय किया है। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए शासन द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। जिसमें चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। जागरूकता में नशा और नींद में वाहन न चलाए जाने, तेज रफ्तार वाहनों को न चलाने की सीख दी जा रही है। साथ ही वाहन मोड़ने पर इंडीकेटर देकर व देखकर सड़क पार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

यातायात के नियमों के प्रति लोगों को किया जागरूक

उपदलनायक मोहनीश तुरकर ने भी सड़क सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को जानकारी दी।

कार्यशाला के बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवको ने सड़क जागरूकता रैली के निकाली। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर एवं समस्त प्राध्यापको ने हरि झंडी दिखाकर रैली का रवाना किया। एनएसएस के स्वयं सेवको ने विभिन्न स्लोगन एवं नारो के माध्यम से शहर के खैरागढ़ रोड़, थाना चौक, गोल बाजार, बुधवारी चौक, रेलवे चौक, में आने-जाने वाले वाहन दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालको को यातायात के नियमो की जानकारी दी साथ ही दुर्घटना से बचने के लिए हेलमेट, इंडिकेटर का उपयोग करने प्रेरित किया। साथ ही दो पहिया वाहन में दो से अधिक सवारी करने वाले, तेज रफ्तार वाहनों रोककर उन्हे दुर्घटना से बचने की सलाह दी। इस अवसर पर एनएसएस ईकाई दल नायक विक्की रामटेके, उपदलनायक मोहनीश तुरकर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Community Involvement

Awareness program by N.S.S.

नवभारत

FAST फॉरवर्ड

पोस्टर, निबंध के माध्यम से एड्स के प्रति किया जागरूक

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के निर्देशन एवं रेडक्रास के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार जांबूलकर एवं एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस के अवसर में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं को निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शहर के लोगों को एचआईव्ही के बारे में जागरूक कर इससे बचने सावधानियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई. इस अवसर पर एनएसएस एवं रेड क्रॉस के स्वयं सेवको में एनएसएस के दलनायक विक्की रामटेके, उपदल नायक मोहनिश तुरकर, स्वयंसेवक तामेश, विकास, नौशि कुरैशी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेशवरी आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

Community Involvement
Awareness program by N.S.S.

BLOOD DONATION CAMP

नेहरू कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन

शासकीय नेहरू महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया 50 यूनिट रक्तदान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं यूथ रेडक्रास व रेडरिबन क्लब के तत्वावधान में 29 नवम्बर सोमवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

ब्लड बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों ने बताया कि रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, जिनका वजन 50 किलो से अधिक है। वे सभी रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी का जीवन बचा सकता है। रक्तदान महादान होता है। रक्तदान करने के पूर्व छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें पोष्टिक आहार दिया गया। उक्त रक्तदान शिविर में संयुक्त संचालक सह अधीक्षक, भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, संबद्ध चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगांव की ब्लड बैंक की टीम आकर रक्तदान शिविर का संपादन किया।

ब्लड बैंक की टीम से डॉ. ममता राय, डॉ. आयुषी परिहार, जगदीश सोनी, चिमेश साहू, उषा बोरकर, दुर्गा निर्मलकर, लक्ष्मी मेश्राम, बीके जागृत परमेश्वर, खिलेश्वर, संतराम ने सहित महाविद्यालय के रेडक्रास प्रभारी डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर, डॉ. एमएल नंदेश्वर, डॉ. आशा चौधरी, बीआर सिवारे, डॉ. येशुक्रिती हजारे, वर्षा मेश्राम सहित एनएनएस के दलनायक विक्की रामटेके, पूजा डोंगरे, प्रज्जवल गेडाम, डाकेश्वर वर्मा, स्वलेहा खान, लक्ष्मी लारोकर ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

उक्त रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के 50 छात्र-छात्राओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान षिविर में कुल 50 यूनिट रक्त संग्रह हुआ, जिसका उपयोग जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए किया जा सकेगा। उक्त रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में स्वाती सिन्हा, कविता मंडावी, संगीता, रोशनी वर्मा, दामिनी, पूजा, पूर्वा, अमन, रोशनी साहू, डाकेश्वर वर्मा, तेजराम, हिमांशु, नवीन साहू, हिमानी, भारती, वशिता, मानसी जैन, अदिती, आंचल, नीता, पवन, मुकुल महोबिया, टोमनलाल सुनील कुमार, झालेश्वर, जबिता, संकेत, संदीप कौषिक, प्रियंका, सागर, अजय, किरण, करण मेश्राम, देवेंद्र साहू, निलेश, ज्ञानेश्वर, योगेश झनक, देवेंद्र कुमार, बालाराम, भागवत, खुमान सिंह, प्रिया महोबिया, योगेश निषाद, किरण वर्मा सहित महाविद्यालय के कर्मचारी शैलेन्द्र यादव ने रक्तदान किया।

कार्यक्रम के अंत में रक्तदान करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने रक्त रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए आयोजक विभाग को बधाई देते हुए रक्तदान करने वाले छात्र-छात्राओं की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

Community Involvement

Awareness program by N.S.S.

BLOOD DONATION CAMP

जिनका वजन 50 किलो से अधिक वे कर सकते हैं रक्तदान, नहीं आती कमजोरी

शासकीय नेहरू कॉलेज कैंप में विद्यार्थियों ने 50 यूनिट ब्लड डोनेट किया

भास्कर न्यूज | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में यूथ रेडक्रॉस व रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

ब्लड बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों ने बताया कि रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती। जिनका वजन 50 किलो से अधिक है, वे सभी रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी का जीवन बचा सकता है, रक्तदान महादान होता है। रक्तदान करने के पूर्व छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें पौष्टिक आहार दिया गया।

ब्लड बैंक की टीम से डॉ. ममता राय, डॉ. आयुषी परिहार, जगदीश सोनी, चिमेश साहू, उषा बोरकर, दुर्गा निर्मलकर, लक्ष्मी मेश्राम, बीके जागृत, परमेश्वर, खिलेश्वर, संतराम सहित महाविद्यालय के रेडक्रास प्रभारी डॉ. प्रदीप जांबुलकर, डॉ. एमएल नंदेश्वर, डॉ. आशा चौधरी, बीआर सिवारे, डॉ. येशुकृति हजारे, वर्षा मेश्राम सहित एनएनएस के दलनायक विक्की रामटेके, पूजा डोंगरे, प्रज्जवल गेडाम, डाकेश्वर वर्मा, स्वलेहा खान, लक्ष्मी लारोकर ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।शिविर में 50 छात्र-छात्राओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में स्वाति सिन्हा, कविता मंडावी, संगीता, रोशनी वर्मा, दामिनी, पूजा, पूर्वा, अमन, रोशनी साहू, डाकेश्वर वर्मा, तेजराम, हिमांशु, नवीन साहू, हिमानी, भारती, वंशिता, मानसी जैन, अदिती, आंचल, नीता आदि ने रक्तदान किया।

डोंगरगढ़. नेहरू कॉलेज कैंप में 50 छात्रों ने किया ब्लड डोनेट।

Community Involvement

Awareness program by Red Cross Unit

पोस्टर, निबंध के माध्यम से एड्स के प्रति किया जागरूक

डोंगरगढ़(दावा)। शा.नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ.के एल टाण्डेकर के निर्देशन एवं रेडक्रास के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार जांबूलकर एवं एन.एस.एस के कार्यक्रम अधिकारी बी.आर.सिवारे के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस के अवसर में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं को निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर महाविद्यालय के विद्यार्थियो एवं शहर के लोगो को एचआईव्ही के बारे में जागरूक कर इससे बचने सावधानियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई. इस अवसर पर एन.एस.एस. एवं रेडक्रॉस के स्वयं सेवकों में एनएसएस के दलनायक विक्की रामटेके, उपदल नायक मोहनिश तुरकर,स्वयंसेवक तामेश, विकास, नौशि कुरेसी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेश्वरी आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

Community Involvement
Awareness program by Red Cross Unit

SOCIAL WORK BY RED CROSS

Community Involvement

AWARENESS PROGRAM - GENDER JUSTICE

नांदगांव टाइम्स राजनांदगांव • गुरूवार • 10 मार्च 2022 •

मौत की गोद मे जाकर जीवन देने की शक्ति ही नारी है- हाजरा

शासकीय नेहरू स्नातकर महाविद्यालय में विष्व महिला दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ।

डोंगरगढ़। षासकीय नेहरू स्नातकोर महाविद्यालय के ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सभा गृह में अंर्तराश्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिला प्रकोश्ठ के द्वारा किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथी डॉ. ईष्वर आसीयाना डिप्टी डायरेक्टर जनरल जीओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (कर्नाटका एंड गोवा), विषेश अतिथी वक्ता पूर्व लोकपाल श्री अमलेन्दु हाजरा समाज सेवी डॉ. ई मिलटन लाल वाईस चयरमेन, आई.सी.टी. जिला महिला संरक्षण अधिकारी सुश्री विद्या मिश्रा, पर्यटन अधिकारी श्रीमती आरती सहारे की गरिमामय उपस्थिति मे मॉ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का षुभारंभ किया गया। डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर महाविद्यालय के प्राभारी प्राचार्य द्वारा अपने स्वागत उद्धोधन में महिला दिवस पर आयोजित उक्त कार्यक्रम के लिए डॉ. श्रीमती आषा चौधरी संयोजिका महिला प्रकोश्ठ एवं डॉ. ई. व्ही. रेवती प्राध्यापक महाविद्यालय एवं सभा में उपस्थित महिलाओं को षुभकामनाये देते हुए बताया की, महाविद्यालय में सस्वती पुत्र के रूप में अतिथियों को अपने बीच पाकर प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि छात्र-छात्रायें ही देष व समाज की धरोहर है। और महिला समाज में दोहरी भूमिका निभाती है जिसके लिए उन्हे षिक्षा के साथ षक्तिषाली होकर समाज मे अग्रणिय होना आवष्यक है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी डॉ. ईष्वर आषियाना द्वारा अच्छे आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार एवं श्री हाजरा को बधाई एवं षुभकामनाएं देते हुए महिलाओ का उत्साह वर्धन करते हुए, अपने सम्बोधन मे नारी षक्ति द्वारा षासकिय कार्यक्रमो में बढ़-चढ़ कर हो रही भागीदारी को समाजिक क्रान्ति बताया और यह भी कहा की महिलायें किसी भी क्षेत्र मे कम नही है। और षिक्षा को लेकर काफी जागरूक है। रक्षा क्षेत्र में भी महिलाओ की भागीदारी बड़ी है महिलाएं सामाजिक एवं राजनितिक क्षेत्र में भी अपनी उपस्थित दर्ज करा रही है। इस अवसर पर विषेश अतिथी वक्ता अमलेन्दु हाजरा ने कहा की मात्रीय षक्ति परमात्मा के बाद पूजनीय है, जो मौत की गोद मे जाकर जीवन देने की अदभुत क्षमता रखती है। नारी षक्ति ने मानव समाज को सदैव गौरवावित किया है नारी और पुरूश प्रकृति के अनमोल उपहार है, परिवार के स्वरूप की संरचना नारी ही करती है इस देष की नारी षक्ति ने भगवान राम, कृश्ण, बुद्ध, महावि, गरूनानक, विवेकानंद, महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मी बाई, डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर सावित्री बाई फुले, जैसे महान प्रतिभाओ को जन्म दिया है जो सदैव पूजनीय है। इस अवसर पर श्री हाजरा द्वारा स्वतंत्रा संग्राम सेनानी सरोजनी नायडु के 135 वे जन्म दिवस पर 13 फरवरी 2014 से राश्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन राश्ट्रीय स्तर पर होने संबधित जानकारी भी दी गई और भारतीय दण्ड संहिता की धारा 375,(ए) 376, एवं लैंगिक उत्पीड़न, तथा दहेज प्रतिषोध अधिनियम, कन्या भ्रुर्णहत्या आदि विशयो पर धारा प्रवाह उदाहरणो के साथ अपने विचार व्यक्त किये। जिला महिला संरक्षण अधिकारी सुश्री विद्या मिश्रा ने महिला उत्पीड़न से संबधित घरेलु हिंसा और कार्य स्थल पर महिलाओ का उत्पीड़न तथा सखी सेन्टर के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया और षासन द्वारा प्रकाषित साहित्य एवं नियमो की संग्रह पत्रिका सभा में उपस्थित लोगो को वितरण किया गया ; इस अवसर पर विषेश रूप से उपस्थित समाज सेवी डॉ. ई. मिलटन लाल चर्च आफ इंडिया द्वारा सभा में उपस्थित लोगो को आषीश देते हुऐ उनके जीवन की मंगल कामना की और कहा की दृष्यवान मानव समाज में महिला व पुरूशो के मध्य भेदभाव सम्भव है। लेकिन अध्यात्मीक क्षेत्र मे ईष्वर की आषिश सभी के लिये समान है, ईष्वर कभी भी किसी का पक्षपात नही करता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए महिला प्रकोश्ठ प्राभारी डॉ. आषा चौधरी ने महिला दिवस के इतिहास व वर्तमान समय मे महिलाओ की स्थिती एवं समस्याओ के संबध मे अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर प्रष्नोत्तरी का कार्यक्रम भी रखा गया और जिसमें महिलाओ के द्वारा उत्साहित होकर प्रष्नउत्तर में भाग लिये गये और कानून से संबधित साहित्य का वितरण किया गया। इस अवसर पर सोन कुमार सिन्हा अध्यक्ष प्रेस क्लब के ,सचिव प्रो. महाविद्यालय के प्राध्यपाक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत मे डॉ. ई. व्ही. रेवती द्वारा आभार व्यक्त करते हुये सभी को षुभकामनाऐं दी।

Community Involvement

AWARENESS PROGRAM - GENDER JUSTICE

महाविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पदमश्री फुलबासन यादव ने छात्र-छात्राओं को बतायी नारी शक्ति की महत्ता

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं महिला प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री श्रीमती फुलवासन बाई यादव थी। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा एवं प्राध्यापकगणो द्वारा मुख्य अतिथि पदमश्री फुलबासन बाई यादव को पुष्पगुच्छ भेटकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य छात्र-छात्राओं को पद्मश्री श्रीमती फुलवासन बाई यादव की संघर्षमय जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे बचपन में अपने माँ-बाप के साथ चाय के ठेले में कप धोने का काम करती, गरीबी इतनी की जब घर में भोजन करने का समय आता तो माता-पिता कहते की आज एक ही समय का भोजन मिलेगा। कई बार तो हफ्तों खाना नहीं मिलता था । गरीबी के चलते कभी-कभी तो महीनों नमक नसीब नहीं होता और एक ही कपड़े में ही महीने निकल जाते। 12 वर्ष की उम्र में उनकी शादी एक चरवाहे से करवा दी गयी मानो कम उम्र में एक बड़ी जिम्मेदारी के कुए में इस मासूम बच्ची को धकेल दिया हो। हर शाम अपने बच्चों को भूखे पेट देख वह आँसू बहाती लेकिन इन चुनौतियों के सामने कभी समर्पण नहीं किया। विपरीत परिस्थिति को अवसर मानकर उन्होने प्रण लिया की अब वे गरीबी, कुपोषण, बाल- विवाह से लड़ेंगी। दस बहनों का एक समूह बनाया जिसके तहत दो मुट्ठी चावल और हर हफ्ते दो रुपए जमा करने की योजना बनाई लेकिन संगठन बनाने की यह मुहिम फुलबासन बाई के पति को पसंद नहीं आई और फिर समाजिक विरोध भी शुरू हो गया। समाज में सब कहने लगे फुलबासन पागल हो गयी है , महिलाओं का समूह बना परम्परा के खिलाफ काम कर रही है लेकिन समाज को एक दिशा देने के उद्देश्य से निकली फुलबासन के संकल्प के आगे.समाज के सारे ताने-बाने शून्य पड़ गए। महिलाओं की मदद से जल्द ही समिति ने बम्लेश्वरी ब्रांड नाम से आम और नींबू के अचार तैयार किए और छत्तीसगढ़ के तीन सौ से अधिक स्कूलों में उन्हें बेचा जाने लगा जहां बच्चों को गर्मा-गर्म मध्यान्ह भोजन के साथ घर जैसा स्वादिष्ट अचार मिलने लगा., इसके अलावा उनकी संस्था अगरबत्ती, वाशिंग पावडर, मोमबत्ती, बड़ी-पापड़ आदि बना रही है जिससे दो लाख महिलाओं को स्वावलम्बन की राह मिली है। अचार बनाने के इस घरेलू उद्योग में लगभग सौ महिला सदस्यों को अतिरिक्त आमदनी का एक बेहतर जरिया मिला और

दो से तीन हजार रूपये प्रतिमाह तक कमा रही हैं। श्रीमती यादव ने अपने सामाजिक जीवन में कई उल्लेखनीय कार्यों को महिला स्व-सहायता समूह के माध्यम से अंजाम दिया है। महिला स्व-सहायता समूह के माध्यम से गांव की नियमित रूप से साफ-सफाई, वृक्षारोपण, जलसंरक्षण के लिए सोख्ता गड्ढा का निर्माण, सिलाई-कढ़ाई सेन्टर का संचालन, बाल भोज, रक्तदान, सूदखोरों के खिलाफ जन-जागरूकता का अभियान, शराबखोरी एवं शराब के अवैध विक्रय का विरोध, बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफवातावरण का निर्माण, गरीब एवं अनाथ बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में भी श्रीमती यादव ने प्रमुख भूमिका अदा की है। आज लाखों महिलाओं का यह समूह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए नए कीर्तिमान रच रहा है। उन्होने श्रीमती यादव के कार्यो की सराहना करते हुए छात्र-छात्राओं को उनसे प्रेरणा लेकर निरंतर आगे बढ़ने की बात कही। पद्मश्री श्रीमती फुलवासन बाई यादव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि सब लोग खुद के लिए जीते है, परिवार के लिए जीते है लेकिन मैं समाज के लिए जीना चाहती हूँ, पहले परिवार का त्याग, फिर घर एवं शरीर का त्याग करना है। श्रीमती यादव ने अपनी जीवनी बताते हुए कहा कि डर मुझे भी लगता था गरीबी से, बेरोजगारी से, कुपोषण से, नशे से लेकिन फिर मैंने अपनी बहनों को आवाज लगायी, एक संकल्प समाज की सीरत बदलने के लिए, संकल्प कुंठित मानसिकता और रूढ़िवादी परम्पराओं को उखाड़ फेकने का।

आज सब कुछ सफल होता दिखता है। श्रीमती यादव ने छात्र-छात्राओ को नारी शक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि हम विश्व में लगातार कई वर्षों से अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाते आ रहे हैं, महिलाओं के सम्मान के लिए घोषित इस दिन का उद्देश्य सिर्फ महिलाओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान बताना है। इसलिए इस दिन को महिलाओं के आध्यात्मिक, शैक्षिक, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। नारी मानव जाति के लिए जननी का रूप है। कहा जाए तो जननी ही नारी है और नारी ही जननी है। नारी शक्ति या मातृशक्ति का इस संसार को आगे बढ़ाने में अहम् योगदान है। बिना नारी के इस दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती। अगर नारी नहीं होगी तो इस संसार का विकास नहीं हो पायेगा। नारी ही एक पुरुष को जन्म देती है, तभी नारी की सहन करने की शक्ति यानी सहनशक्ति का अहसास होता है कि वह इस संसार में कितनी मजबूत शक्ति है।

Community Involvement

AWARENESS PROGRAM - GENDER JUSTICE

नांदगांव टाइम्स राजनांदगांव • बुधवार • 14 जुलाई 2021 •

कोविड-19 का महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर नेहरू महाविद्यालय में राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोतर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा- निर्देशन एवं भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.नौशिन अंजुम एवं डॉ. वियज लाल तिवारी के मागदर्शन में भूगोल विभाग, आई.क्यू.ए.सी. एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में कोविड-19 का महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन 28 जून किया गया। वेबीनार में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, की कुलपति श्रीमती ममता चंद्राकर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राजनांदगांव एएसपी श्रीमती प्रज्ञा मेश्राम उपस्थित थी। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में जिला चिकित्सालय छिन्दवाडा से डॉ. रंजना टांडेकर (एमबीबीएस, एमडी) एवं टीम इज्जत सरगुजा के प्रबंधक अंचल ओझा एवं शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय सूरजपुर के व्याख्याता सुजीत कुमार मोर्य उपस्थित थे। वेबीनार का शुभारंभ भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नौशिन अंजुम द्वारा समस्त अतिथि एवं वक्ताओं का स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर द्वारा अपने स्वागत उद्बोध में समस्त अतिथियों एवं प्रतिभागियो का स्वागत करते हुए भूगोल विभाग, आईक्यूएसी एवं महिला प्रकोष्ठ को इस कोविड-19 का महिला स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर आयोजित इस बेबीनार आयोजन के

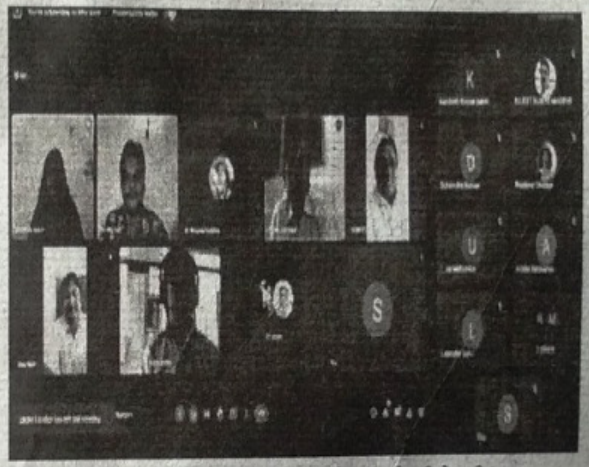

लिए बधाई दी गई। आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ई.व्ही.रेवती द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत एंवं बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विषय विशेषज्ञों ने कोविड 19 के परिप्रेक्ष्य में महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव एवं जागरूकता विषय पर वक्ताओ ने समस्या और इसके समाधान संबधि आवश्यक जानकारी एवं स्वयं के कार्यक्षेत्र के अनुभव प्रतिभागियो के साथ साझा किये। उन्होने बताया कि किस प्रकार विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओ , किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं को विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक समस्या का सामना करना पडा। साथ ही जागरूकता भी प्रदान की गई कि किस प्रकार महिलाएं घर की चारदीवारी के अंदर भी अपने स्वास्थ्य का सही ध्यान रख सकती है एवं अपनी शारीरिक समस्याओं को परिवार को सदस्यो से साझा करके सही समय पर चिकित्सकीय राय प्राप्त कर स्वयं की देखभाल कर सकती है। जिसमें की रोगप्रतिरोध शक्ति बढेगी ओर महिलाएं एवं किशोरियां इस कोविड-19 के दौर में स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रख सकती है। कार्यक्रम के अंत में सहसंयोजक डॉ. विजय लाल तिवारी ने मुख्य अतिथि , वक्ताओं एवं ऑनलाइन माध्यम से जुडे समस्त प्रतिभायिों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. ईव्ही रेवती, डॉ.आशा चैधरी, डॉ. आर.आर.कोचे, डॉ.एम.एल. नंदेश्वर, बी.आर.सिवारे, नितेश तिरपुडे सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने उत्कृष्ट एवं सफ्ल वेबीनार के लिए भूगोल विभाग, आईक्यूएसी एवं महिला प्रकोष्ठ एवं महाविद्यालय परिवार को बधाई दी। वेबीनार की सफ्लता के लिए महाविद्यालय के टेक्निकल एक्सपर्ट संदीप गजभिये का टेक्निकल सपोर्ट प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को फीडबैक फार्म प्रेषित किया गया एवं ई-सर्टीफिकेट प्रदान किया गया।

COLLABORATIVE LEARNING

आपसी सहयोग व समन्वय से मिलकर विद्यार्थी बनायेंगे अपना करियर

डोंगरगढ़, सबेरा संकेत। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ द्वारा छात्र-छात्राओं की अकादमिक एवं शैक्षणिक प्रगति हेतु एवं नैक मूल्यांकन को ध्यान में रखकर विभिन्न संस्थाओं के साथ आपसी सहयोग एवं समन्वय स्थापित किये जा रहे है। इसी के तहत एम.ओ.यू. में दो संस्थाओं के नाम और जुड़ गए हैं ।

देव संस्कृति कॉलेज एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, दुर्ग एवं स्वयं सिद्धा कल्चरल ग्रुप ऑफमेरिट वुमेन रिसाली भिलाई के साथ गत दिनो एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गये। महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ के एल. टांडेकर एवं देव संस्कृति कॉलेज के प्राचार्य डॉ.के .एस. गुरुपंच तथा डायरेक्टर ज्योति शर्मा के हस्ताक्षर से एमओयू हुआ। इससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि आपसी , सहयोग एवं समन्वय से होगी। स्वयं सिद्धा विवाहित महिलाओं के संस्कृति समूह की संचालक डॉ. सोनाली चक्रवर्ती एवं प्राचार्य डॉ टांडेकर के हस्ताक्षर से एमओयू हुआ। डॉ सोनाली ने बताया कि उनकी संस्था शैक्षणिक विषयों जैसे व्यक्तित्व विकास हिंदुस्तानी शास्त्रीय एवं सुगम संगीत रंगमंच एवं अभिनय वक्तृत्व कला तथा महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता विषयों पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती हैं। आपसी सहयोग एवं समन्वय एमओयू द्वारा नेहरू महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर का यह प्रयास विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया जिसमें पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वे अपनी रूचि के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित होकर अपना कैरियर बना सकें एवं जीवन में सफलता प्राप्त करें।

COLLABORATIVE LEARNING

द्वारा की जाएगी।

डोंगरगढ़ के खिलाड़ियों को मिलेगा प्लेटफार्म, हुआ एमओयू

अफसरों ने मैदान का निरीक्षण किया। ● नईदुनिया

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरु महाविद्यालय व युवा खेल विभाग द्वारा कालेज के छात्रों को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि कालेज के छात्र खेल के क्षेत्र में कालेज व अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग राजनांदगांव से आपसी सहयोग एवं समन्वय से एमओयू हुआ।

निकट भविष्य में नेहरू महाविद्यालय का द्वितीय नैक मूल्यांकन होना है, एमओयू से नैक में लाभ होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डा.केएल टांडेकर, आइक्यूसी समन्वयक डा.ईव्ही रेवती, शारीरिक शिक्षण विभाग से क्रीड़ा अधिकारी डा.मुन्नालाल नंदेश्वर, अतिथि व्याख्याता ऋचा अग्रवाल एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ए ईक्का की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। सहायक संचालक ए ईक्का ने आश्वस्त किया कि महाविद्यालय खेल विभाग द्वारा सभी तरह की सुविधा दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा एवं विभाग के द्वारा संचालित सभी खेलों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। भविष्य में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को विभाग की ओर से सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।

COLLABORATIVE LEARNING

आपसी सहयोग और समन्वय से नैक ग्रेडिंग और छात्रों को मिलेगा लाभ

नेहरू कॉलेज का शंकराचार्य के साथ एमओयू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय का शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी, भिलाई से आपसी सहयोग एवं समन्वय (एमओयू) 14 जुलाई को हुआ। निकट भविष्य में नेहरू महाविद्यालय का द्वितीय नैक मूल्यांकन होना है, एमओयू से नेक में 7 क्राइटेरिया के सभी मैट्रिक्स में किस प्रकार कार्य करना है। इसका मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. ईव्ही रेवती एवं शंकरा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. राहुल मेने द्वारा पूरे स्टाफ की उपस्थिति में

एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। डॉ. जे दुर्गाप्रसाद राव अतिरिक्त संचालक शंकरा महाविद्यालय एवं नैक समन्वयक डॉ. संदीप जसवंत, डोंगरगढ़ कॉलेज के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर एवं प्राणिशास्त्र विभाग की ऋचा अग्रवाल उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह ने आश्वस्त किया है कि वे नेहरू महाविद्यालय को बेहतर ग्रेड दिलाने के लिए हर संभव सहयोग करेंगी। इसके अलावा उन्होंने अपने पूरे महाविद्यालय का भ्रमण करवाया तथा बहुत सी बातें एवं नैक मूल्यांकन में अच्छा ग्रेड प्राप्त करने के लिए आवश्यक जानकारी साझा की। विदित हो कि छत्तीसगढ़ में बहुत कम संख्या में ए ग्रेड प्राप्त महाविद्यालय है जिसमें से श्री शंकराचार्य महाविद्यालय ने अपने नेक मूल्यांकन में ए ग्रेड प्राप्त किया है। निकट भविष्य में दोनों महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक व विद्यार्थी भ्रमण करेंगे और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न क्राइटेरिया में कार्यशाला के द्वारा मार्गदर्शन लिया जाएगा, जिससे पूरे डोंगरगढ़ ब्लॉक में स्थित आसपास के सभी महाविद्यालयों को लाभ होगा। अंत में नेहरू कॉलेज के प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने शंकराचार्य महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रक्षा सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट देकर अपने अनुभवों का आदान प्रदान किया।

COLLABORATIVE LEARNING

नेहरू कालेज का स्वरूपानंद कालेज से एम.ओ.यू.

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ का स्वामी श्री स्वरूपानंद महाविद्यालय भिलाई हुडको के साथ आपसी सहयोग व समन्वय (एम.ओ.यू.) हुआ. पूर्व में भी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ हनसा शुक्ला के द्वारा समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों और विषयों पर मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त हुआ है. इस अवसर पर शासकीय नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ई.व्ही. रेवती क्रीड़ा अधिकारी डॉ एम एल नंदेश्वर तथा सहा.प्राध्यापक ऋचा अग्रवाल एवं स्वरूपानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर हंसा शुक्ला क्रीड़ा अधिकारी मुरली तिवारी नेक को ऑर्डिनेटर डॉक्टर शमा. ए. बेगम सहित समस्त स्टाफ की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये.

स्वरूपानंद महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने महाविद्यालय का भ्रमण कराया तथा महाविद्यालय में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों और विभागों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी. अंत में आइक्यूएसी प्रभारी डॉ श्रीमती ई. व्ही रेवती मैडम ने इस एमओयू के लिए सभी को धन्यवाद तथा आभार प्रकट किया।

COLLABORATIVE LEARNING

दो महाविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

नेहरू महाविद्यालय का देवीप्रसाद चौबे महाविद्यालय गंडई के बीच एमओयू हुआ है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर, आईक्यूसी समन्वयक डॉ. ईव्ही रेवती, डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर, डॉ. आशा चौधरी, डॉ. आरआर कोचे , क्रीड़ा अधिकारी डॉ मुन्नालाल नंदेश्वर, बीआर सिवारे, डॉ. विजयलाल तिवारी एवं गंडई कालेज के सहायक प्राध्यापक अजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया।

SUPPLEMENTARY AIDS AND SREVICES-

SMART CLASS ROOMS FACILITIES

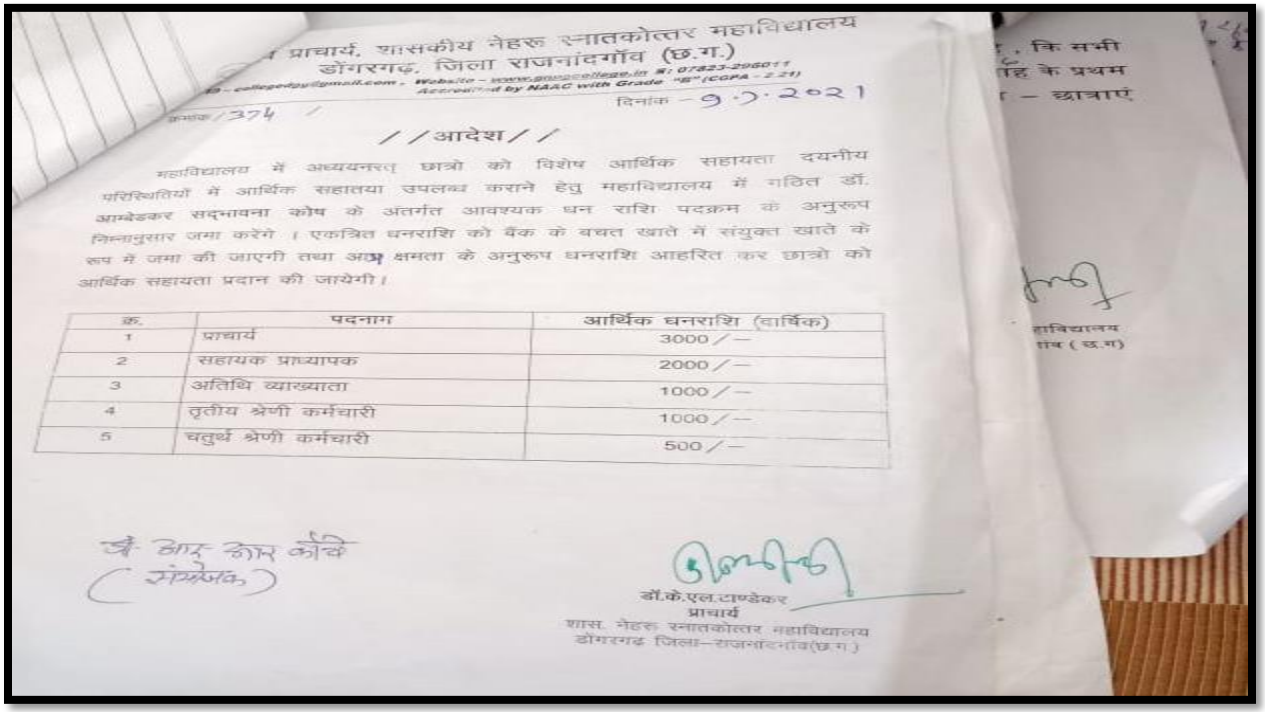

प्राचार्य, शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगढ़, जिला राजनांदगाँव (छ.ग.)
collegedgg@gmail.com , Website – www.gnpgcollege.in ☎: 07823-296011
Accredited by NAAC with Grade "B" (CGPA - 2.21)

क्रमांक/374 / दिनांक – 9.7.2021

//आदेश//

महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्रो को विशेष आर्थिक सहायता दयनीय परिस्थितियों में आर्थिक सहातया उपलब्ध कराने हेतु महाविद्यालय में गठित डॉ. आम्बेडकर सद्भावना कोष के अंतर्गत आवश्यक धन राशि पदक्रम के अनुरूप निम्नानुसार जमा करेंगे । एकत्रित धनराशि को बैंक के बचत खाते में संयुक्त खाते के रूप में जमा की जाएगी तथा अपनी क्षमता के अनुरूप धनराशि आहरित कर छात्रो को आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।

क्र.	पदनाम	आर्थिक धनराशि (वार्षिक)
1	प्राचार्य	3000/–
2	सहायक प्राध्यापक	2000/–
3	अतिथि व्याख्याता	1000/–
4	तृतीय श्रेणी कर्मचारी	1000/–
5	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	500/–

डॉ. आर. आर. कौके
(संयोजक)

डॉ.के.एल.टाण्डेकर
प्राचार्य
शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगढ़ जिला–राजनांदगाँव(छ.ग.)

, कि सभी
हि के प्रथम
– छात्राएं
हाविद्यालय
गाव (छ.ग)

PARISTHITI KI PATHSHALA

बदलाव के कारण सर्दी-खांसी के

की सलाह दी जा रही है.

के विक्रय के तरीकों का कड़ा विरोध किया है.

नेहरू महाविद्यालय में बेडमिंटन कोर्ट व पाठशाला का हुआ लोकार्पण

नवभारत प्रतिनिधि ◆ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

- मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित
- महाविद्यालय परिसर में हुआ वृक्षारोपण

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 15 जुलाई को महाविद्यालय के नवीन भवन में निर्मित बेडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण सहित आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं के लिए परिस्थिति की पाठशाला एवं विश्वविद्यालय की प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर द्वारा मुख्य अतिथि विधायक भुनेश्वर बघेल सहित समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंटकर सम्मानित किया गया. तत्पश्चात एनएसयूआई टीम के डाकेश्वर वर्मा ने मांगपत्र का वाचन कर छात्र-छात्राओं की मांगो से अवगत कराया गया. विधायक श्री बघेल ने छात्रसंघ की मांग पर महाविद्यालय में एक नग बोर खनन सहित अपनी ओर से महाविद्यालय परिवार को छात्र-छात्राओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए एक नग वॉटर कूलर प्रदान करने की भी घोषणा की. कार्यक्रम को जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया.

कार्यक्रम में महाविद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं जिन्होंने सत्र 2015-16, 2018-9 एवं 2019-20 के विश्वविद्यायीन प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया को 2-2 हजार रूपये के चेक देकर सम्मानित किया गया. जिसमें ट्विंकल अग्रवाल पिता गिरधारी अग्रवाल सहित अन्य छात्र छात्राएं शामिल है. महाविद्यालय में निर्धन एवं आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को पठन.पाठन में असुविधा न हो इसके लिए महाविद्यालय द्वारा परिस्थिति की पाठशाला योजना का शुभारंभ किया गया. जहां से आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राएं निःशुल्क पाठय सामाग्री सहित स्टेशनरी प्राप्त कर सकेंगेण इसके पश्चात अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को खेलकूद सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से नवनिर्मित बेडमिंटन कोर्ट का फीता काटकर लोकार्पण किया. तत्पश्चात महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समस्त अतिथियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राध्यापगण डॉ. ई.व्ही. रेवती डॉ. आर.आर.कोचे, बीआर सिवारे, ग्रंथपाल नितेश तिरपुडे सहित अतिथि व्याख्यातगण डॉ. नीता ठाकुर डॉ. येशुक्रिती हजारे डॉ. नौशिन अंजुम डॉ. मेधाविनी तुरे डॉ. विजय लाल तिवारी, श्रीमती ज्योति ठाकुर, श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती, कु. ऋचा अग्रवाल श्रीमती उमा महोबिया कु. प्रतिभा सिंह, कु. पदमा खुटे कु. अनिमा मिंज कु. वर्षा मेश्राम सुनील कुमार हेमंत कुमार रोशन कुमार वासुदेव साहू सहित महाविद्यालय के कर्मचारी संजय तिवारी, केजी सोनकर, बीआर कोसले, बीएस मंडावी, सोहद्रा उइके, विवेक श्रीवास, शरद लाटा, संदीप गजभिये, सुशील सोनवानी, शैलेन्द्र यादव, चित्रा खोब्रागढ़े सहित छात्रसंघ के डाकेश्वर वर्मा रमन साहू आदि उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने किया.

STADIUM FACILITY

INDOOR GYM FACILITY